।। अंतरी पेटवू ज्ञान ज्योत।।

'A' Grade NAAC Re-Accredited (3rd Cycle)

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY JALGAON

Syllabus For

M. A. Part- I

(Ist& IInd Semester)

HINDI

(w.e.f. June 2017)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव
एम. ए. हिंदी भाग- 1 निर्धारित पाठ्यक्रम
(प्रारंभ जून 2017)

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

1) इस पाठ्यक्रम का अध्ययन जून 2017 से प्रारंभ होगा।

2) संपूर्ण पाठ्यक्रम का विभाजन दो वर्षो के लिए चार सत्रों में होगा।

3) संपूर्ण पाठ्यक्रम कुल 1600 अंकों का होगा।

4) प्रथम वर्ष (भाग-1) के प्रथम सत्र के अंतर्गत 1 से लेकर 4 तथा द्वितीय सत्र के अंतर्गत 5 से 8 तक का और द्वितीय वर्ष (भाग-2) के अंतर्गत तृतीय सत्र में 9 से 12 तथा चतुर्थ सत्र के अंतर्गत 13 से 16 तक के प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा।

5) संपूर्ण हिंदी विषय लेनेवाले छात्रों के लिए सामान्य स्तर और विशेष स्तर दोनों स्तरों के प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा।

6) हिंदी गौण विषय के रूप में अध्ययन करनेवाले अर्थात अन्य विशेष विषय के 3 प्रश्नपत्र और हिंदी का एक प्रश्नपत्र लेनेवाले छात्रों को प्रथम सत्र के प्रश्नपत्र 1 का, द्वितीय सत्र के प्रश्नपत्र 5 का, तृतीय सत्र के प्रश्नपत्र 9 तथा चतुर्थ सत्र के प्रश्नपत्र 13 का अध्ययन करना होगा।

7) प्रथम वर्ष के अंतर्गत प्रश्नपत्र 2,3,4 तथा 6, 7, 8 उसी प्रकार द्वितीय वर्ष के अंतर्गत 10,11,12 तथा 14,15,16 विशेष स्तर के होंगे।

8) इस पाठ्यक्रम में प्रश्नपत्र 4, प्रश्नपत्र 8, प्रश्नपत्र 12 तथा प्रश्नपत्र 16 के अंतर्गत विकल्प दिए गए हैं। इनमें से छात्रों को किसी एक ही वैकल्पिक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा।

9) प्रत्येक सत्र हेतु 60 + 40 पॅटर्न अपनाया गया है। प्रत्येक प्रश्नपत्र का प्रत्येक सत्र का पर्चा 60 अंकों का होगा। अंतर्गत मूल्यांकन हेतु 40 अंकों का प्रावधान है।

एम.ए. हिंदी भाग- 1
पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रश्नपत्र -1- HIN 0111	:	सामान्य स्तर - कथा साहित्य
प्रश्नपत्र-2- HIN 0112	:	विशेष स्तर-आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य
प्रश्नपत्र-3-HIN 0113	:	विशेष स्तर -भारतीय काव्यशास्त्र के सिध्दान्त एवं आलोचना
प्रश्नपत्र- 4- HIN 0114	:	विशेष स्तर- वैकल्पिक
HIN - 0114(A)	:	विशेष साहित्यकार - कबीरदास
HIN - 0114(B)	:	विशेष विधा - आत्मकथा
HIN - 0114(C)	:	अन्य - अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

प्रश्नपत्र -5- HIN - 0121	:	सामान्य स्तर-कथेतर गद्य साहित्य
प्रश्नपत्र-6- HIN - 0122	:	विशेष स्तर-रीतिकालीन काव्य
प्रश्नपत्र-7- HIN - 0123	:	विशेष स्तर- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दान्त तथा वाद
प्रश्नपत्र-8 - HIN - 0124	:	विशेष स्तर- वैकल्पिक
HIN - 0124 - (A)	:	आदिवासी विमर्श
HIN - 0124 - (B)	:	दलित विमर्श
HIN - 0124 - (C)	:	नारी विमर्श

प्रथम सत्र (1st Semester)

प्रश्नपत्र -1-HIN-0111-सामान्य स्तर- कथा साहित्य

(उपन्यास - कहानी)

उद्देश्य :

1) छात्रों को हिंदी की गद्य विधाओं से परिचित कराना।

2) आधुनिक गद्य विधाओं में से प्रमुख विधाओं के विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करना।

3) विधा विशेष के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्त्व समझाना तथा मूल्यांकन की क्षमता निर्माण करना।

पाठ्यक्रम

पाठ्यपुस्तकें :-

1) उपन्यास - रेत - भगवानदास मोरवाल,

राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. 1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली- 110 002

2) कहानी -

कथा विहार - संपादक - डॉ. सुरेशकुमार जैन, डॉ. विणा मनचन्दा

प्रकाशक - स्वर्ण जयन्ती, शाहदरा, दिल्ली - 32

कहानियाँ -उसने कहा था- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, बडे घर की बेटी-प्रेमचंन्द, दुखवा मैं कासे कहूँ मोरी सजनी-चतुरसेन शास्त्री, परदा-यशपाल, अपना-अपना भाग्य - जैनेन्द्रकुमार, अमृतसर आ गया है ... - भीष्म साहनी, ब्रह्मराक्षस का शिष्य- गजानन माधव मुक्तिबोध, ठेस -फणीश्वरनाथ रेणु, गुलकी बन्नो - धर्मवीर भारती, बन्द दराजों का साथ - मन्नू भण्डारी

संदर्भ ग्रंथ :-

1) आज का हिंदी उपन्यास - डॉ. इन्द्रनाथ मदान

2) उपन्यासकार भगवानदास मोरवाल - डॉ. मधु खराटे

3) आज की हिन्दी कहानी - डॉ.धनंजय

4) नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर

5) समकालीन हिन्दी कहानी - डॉ. विनय

6) एक दुनिया समानांतर (भूमिका) - राजेन्द्र यादव

7) हिन्दी का आधुनिक गद्य - रामचंद्र तिवारी

8) छठे दशक के हिन्दी उपन्यासों में लोक संस्कृति - डॉ. महेंद्र रघुवंशी

9) कहानीकार मिथिलेश्वर एवं आनंद यादव - डॉ. महेंद्र रघुवंशी

10) नवम दशक के उपन्यास : संवेदना और शिल्प - डॉ. कल्पना व्हसाळे 'अनवले'

11) हिंदी कहानी और रचना सिंध्दात - डॉ. निलम गुप्ता

12) समकालीन हिंदी उपन्यास महानगरीय बोध - सीमा गुप्ता

13) हिंदी कहानी एक अन्तर्यात्रा - वेदप्रकाश अमिताभ

14) समकालीन हिंदी कहानी - वेदप्रकाश अमिताभ

प्रथम सत्र (1st Semester)

प्रश्नपत्र-2-HIN-0112- विशेष स्तर - आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य

उद्देश्य :-

1) हिंदी के प्रतिनिधि कवियों की कृतियों के अध्ययन द्वारा आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य से परिचय प्राप्त करना।
2) आदिकालीन एवं भक्तिकालीन प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियों की जानकारी लेना।
3) आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य-प्रवृत्तियों की पृष्ठभूमि पर कवि विशेष की काव्य कला का परिचय कराना।
4) वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इन कवियों के महत्त्व से अवगत होना।

* पाठ्यक्रम :

* पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि :

    * विद्यापति एवं तुलसीदास

* अध्ययन हेतु रचनाएँ, ससंदर्भ व्याख्या हेतु छंद तथा अध्ययनार्थ विषय निम्नप्रकार से है-

1) विद्यापति - विद्यापति पदावली - सं.श्री. रामवृक्ष बेनीपुरी लोकभारती प्रकाशन, पटना
   छंद - 1,7,12,18,32,34,67,74,77,79
   अध्ययनार्थ विषय - 1) विद्यापति भक्त कवि या श्रृंगारी कवि
   2) विद्यापति का संयोग श्रृंगार वर्णन
   3) विद्यापति की वियोग श्रृंगार वर्णन
   4) विद्यापति की सौन्दर्यानुभुति
   5) गीतिकाव्य और विद्यापति
   6) विद्यापति की काव्यकला
2) तुलसीदास - कवितावली - गीताप्रेस, गोरखपुर
   ससंदर्भ व्याख्या हेतु -
   बालकांड - 1,2,4,5,18
   सुंदरकांड - 3,5,10,11,15
   उत्तरकांड - 1,7,13,15,16
   अध्ययनार्थ विषय - 1) तुलसीदास की समन्वय साधना
   2) तुलसीदास की भक्तिभावना

3) तुलसीदास का मर्यादावाद

4) तुलसी काव्य में लोकमंगल की भावना

5) तुलसी के दार्शनिक सिध्दांत

6) कवितावली का प्रतिपाद्य

7) कवितावली की रसयोजना

8) कवितावली का काव्यसौंदर्य

9) गो. तुलसीदास की काव्यकला

संदर्भ ग्रंथ -

1)	विद्यापति की काव्य प्रतिभा	-	गोविंदराम शर्मा
2)	विद्यापति: युग और साहित्य	-	डॉ. अरविंद नारायण सिन्हा
3)	विद्यापति और उनका युग	-	डॉ. शिवप्रसाद सिंह
4)	विद्यापति पदावली का समीक्षात्मक अध्ययन	-	कल्पना पटेल
5)	भक्ति काव्य - की प्रासंगिकता	-	डॉ. संजय शर्मा
6)	तुलसीदास और उनका युग	-	डॉ. राजपति दीक्षित
7)	तुलसी रसायन	-	भगिरथ मिश्र
8)	तुलसी की साहित्य साधना	-	डॉ. लल्लन रॉय
9)	तुलसी आधुनिक वातायन से	-	डॉ. रमेश कुंतल मेघ
10)	भक्ति काव्य की सामाजिक, सांस्कृतिक चेतना	-	डॉ. प्रेम शंकर
11)	तुलसी साहित्य और सिध्दांत	-	डॉ. यज्ञदत्त शर्मा
12)	तुलसी साहित्य में बिम्ब योजना	-	डॉ. सुशीला शर्मा

प्रथम सत्र (1st Semester)

प्रश्नपत्र -3- विशेष स्तर-HIN- 0113

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत एवं आलोचना

उद्देश्य -

1) भारतीय काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय देना।

2) भारतीय काव्यशास्त्रों के सिद्धांतों के विकासक्रम का परिचय तथा सिद्धांतों का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम :

1) भारतीय काव्यशास्त्र के विकास क्रम का संक्षेप में परिचय।
(इस पर परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछा जायेगा)

2) रस सिद्धांत - रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति विषयक भरतमुनि का सूत्र और भट्टलोलट, शंकुक, भट्टनायक और अभिनव गुप्त की तत्संबंधी व्याख्याओं का विवेचन।
साधारणीकरण- भट्टनायक अभिनव गुप्त, पंडितराज जगन्नाथ, विश्वनाथ, आ. रामचंद्र शुक्ल, डॉ. नगेंद्र, डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित के मतों के संदर्भ में विवेचन। वर्तमान संदर्भ में रस सिद्धांत।

3) अलंकार सिद्धांत - 'अलंकार' शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार संप्रदाय, काव्य में अलंकार का स्थान।

4) रीति सिद्धांत- 'रीति' शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, रीति के विविध पर्याय, रीतिभेद, रीति और गुण, रीति और शैली, आचार्य वामन का योगदान।

5) ध्वनि सिद्धांत- 'ध्वनि' शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्दशक्ति, ध्वनि के भेद-अभिधामूला, लक्षणामूला, संलक्ष्यक्रम व्यंग्य, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य।

6) वक्रोक्ति सिद्धांत - वक्रोक्ति की परिभाषा, कुंतकपूर्व वक्रोक्ति, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति का महत्त्व।

7) औचित्य सिद्धांत - औचित्य का स्वरूप, काव्य में औचित्य का महत्त्व।

8) आलोचना - स्वरूप और उद्देश्य, आलोचक के गुण
आलोचना के विभिन्न प्रकार - सैद्धांतिक, व्याख्यानात्मक, तुलनात्मक, स्वच्छंदतावादी, मनोवैज्ञानिक एवं प्रगतिवादी आलोचना।

संदर्भ ग्रंथ :-

1) काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र

2) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यसिद्धांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

3) रससिद्धांत : स्वरूप- विश्लेषण - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित

4) भारतीय साहित्यशास्त्र - खंड-1 और 2- आ. बलदेव उपाध्याय

5) समीक्षाशास्त्र के सिद्धांत - भाग-1-2- डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

6) साहित्यशास्त्र प्रमुख सिद्धांत - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

7) भारतीय काव्यशास्त्र - उदयभानु सिंह

8) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - कृष्णदेव शर्मा

9) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. कृष्णदेव झारी

10) रससिद्धांत - आ. रामचंद्र शुक्ल

11) रससिद्धांत की सामाजिक भूमिका - डॉ. दुर्गा दीक्षित

12) औचित्य विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

13) ध्वनिसंप्रदाय और उसके सिद्धांत - डॉ. बच्चूलाल अवस्थी 'ज्ञान'

14) भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. सुरेश अग्रवाल

15) काव्य समीक्षा के भारतीय मानदण्ड - डॉ. वासंती सालवेकर
डॉ. उर्मिला पाटील

16) सुगम काव्यशास्त्र - डॉ. सुरेश माहेश्वरी

17) शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत - गोविंद त्रिगुणायत.

18) भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. विजयकुमार वेदालंकार

19) साहित्य रूप: शास्त्रीय विश्लेषण - डॉ. ज्ञा. बा. गायकवाड

20) समीक्षा शास्त्र - डॉ. सूर्यनारायण रणसूभे
डॉ. नरसिंहप्रसाद दुबे

21) भारतीय काव्यशास्त्र - योगेंद्र प्रताप सिंह

22) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मानदंड - डॉ. भाऊसाहेब परदेशी

प्रथम सत्र (1st Semester)

प्रश्नपत्र 4- विशेषस्तर- वैकल्पिक

HIN- 0114 - (A) - विशेष साहित्यकार - कबीर

उद्देश्य -

1) विशेष साहित्यकार के रूप में कबीर के साहित्यिक व्यक्तित्व एवं कृतित्व का ज्ञान प्राप्त करना।

2) युगीन परिप्रेक्ष्य में कबीर के काव्य की प्रेरणाओं तथा विशेषताओं का अध्ययन करना।

पाठयक्रम -

अ) अध्ययन और अलोचना

1) कबीर का जीवन वृत्त (व्यक्तित्व)

2) निर्गुण संप्रदाय और कबीर/संतकाव्य परंपरा और कबीर

3) कबीर का प्रेम तत्व

4) कबीर का रहस्यवाद

5) कबीर की विरह भावना

6) निर्गुण भक्ति की विशेषताएँ

7) कबीर की भक्तिभावना

8) कबीर का सामाजिक दर्शन

9) कबीर की प्रासंगिकता

10) मानवतावादी कबीर

11) कबीर क्रांति - दर्शन

12) कबीर का कलापक्ष

कबीर ग्रंथावली -संपादक डॉ. श्याम सुंदरदास, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, अंसारी रोड, दरीया गंज, नई दिल्ली

1) गुरूदेव कौ अंग - 3,13,14,15,33

2) विरह कौ अंग - 1,5,6,12,21,45

3) माया कौ अंग - 4,7,11

4) पद - 4,44,49,84,92,338,346

संदर्भ ग्रंथ -

1) भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति - कुँवर पाल सिंह
2) भक्ति के आयाम - डॉ. पी. जयरामन
3) भक्तिकालीन काव्य में मानवीय मूल्य - डॉ. हणमंतराव पाटील
4) मध्ययुगीन काव्य के आधार स्तंभ - डॉ. तेजपाल चौधरी
5) मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में धर्मनिरपेक्षता - डॉ. कृष्णा पोतदार
6) भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता - डॉ. संजय शर्मा
7) कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
8) कबीर - सं. डॉ. विजयेंद्र स्नातक
9) कबीर की विचार धारा - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
10) कबीर साहित्य की परख - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
11) कबीर साधना और साहित्य - डॉ. प्रतापसिंह चौहान
12) कबीरदास व्यक्ति और चिंतन - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
13) कबीर एक विवेचन - डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरुण'
14) कबीर मीमांसा - डॉ. रामचंद तिवारी
15) कबीरदास सृष्टि और दृष्टि - डॉ. शिवाजी देवरे/
डॉ. भाऊसाहेब परदेशी

HIN- 0114 (B) - विशेष विधा - आत्मकथा

उद्देश्य-

1) साहित्य विधाओं में से प्रमुख विधा 'आत्मकथा विधा' के तात्विक स्वरूप की जानकारी प्राप्त करना।
2) हिंदी आत्मकथाओं के विकासक्रम से परिचय प्राप्त करना।
3) हिंदी आत्मकथाओं की विभिन्न प्रवृत्तियों को समझना।
4) हिंदी उपन्यास के विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में निर्धारित प्रमुख प्रतिनिधि आत्मकथाओं का अध्ययन।

पाठ्यक्रम :

1) अन्या से अनन्या - डॉ. प्रभा खेतान
   राजकमल प्रकाशन
   नई दिल्ली, इलहाबाद, पटना।
2) एक कहानी यह भी - मन्नू भंडारी
   राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3) कस्तुरी कुंडल बसै - मैत्रेयी पुष्पा,
   राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

अध्ययनार्थ विषय (सैद्धांतिक पक्ष) :-

1) आत्मकथा की परिभाषा, आत्मकथा का स्वरूप।
2) आत्मकथा के तत्त्व- कथ्य, चरित्रचित्रण, वातावरण, संवाद, भाषा शैली, उद्देश्य, पठित कृतियों की आलोचना।
3) हिंदी आत्मकथा- साहित्य का विकास।
4) हिंदी आत्मकथा की प्रवृत्तियाँ।
5) हिंदी आत्मकथा का शिल्पविधान।

संदर्भ ग्रंथ-

1) प्रभा खेतान के उपन्यासों में नारी - डॉ. अशोक मराठे

2) मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में नारी - डॉ. संतोष पवार

3) मन्नू भंडारी के साहित्य में चित्रित समस्याएँ - डॉ. माधवी जाधव

4) प्रभा खेतान के साहित्य में नारी विमर्श - डॉ. कामिनी तिवारी

5) मन्नू भंडारी की कहानियों में मूल्य चेतना - डॉ. ओमप्रकाश नायर

6) महिला लेखिकाओं के उपन्यासों में नारी - डॉ. हरबंस कौर

7) साठोत्तरी हिंदी उपन्यासों में परिवर्तित नारी जीवनमूल्य- डॉ. छायादेवी घोरपडे

8) नारी चिंतन : नयी चुनौतियाँ - डॉ. राजकुमारी गडकर

9) शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

10) काव्यशास्त्र विविध आयाम - डॉ. मधु खराटे

11) हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी

12) हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

13) हिंदी आत्मकथा साहित्य - डॉ. नारायण शर्मा

14) हिंदी की महिला आत्मकथाकार - डॉ. संजय ढोडरे

HIN- 0114 (C) अन्य - अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

उद्देश्य-

1) अनुसंधान प्रविधि से परिचित कराना।

2) अनुसंधान की प्रक्रिया से परिचित कराना।

3) अनुसंधान कार्य के लिए प्रेरणा प्रदान करना।

4) अनुसंधान की क्षमता का विकास करना।

पाठ्यक्रम -

(अ) अनुसंधान स्वरूप -

1) अनुसंधान हेतु प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य।

2) अनुसंधान की परिभाषाएँ और उनका आशय।

3) अनुसंधान के उद्देश्य।

(आ) अनुसंधान के प्रकार-

1) साहित्यिक अनुसंधान और उसके प्रकार-
वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, व्याख्यात्मक।

2) साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुसंधान - साम्य-वैषम्य।

(इ) अनुसंधान की प्रक्रिया-

विषय चयन, सामग्री संकलन, सामग्री का विश्लेषण-वर्गीकरण, सामग्री का विवेचन एवं निष्कर्ष

(ई) प्रबंध लेखन प्रणाली

शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा निर्माण, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख, पाद-टिप्पणी, परिशिष्ट, संदर्भ सूची, साक्षात्कार, अन्य स्त्रोत

(उ) अनुसंधान कार्य के घटक तत्त्व और सामग्री

1) घटक तत्त्व : अनुसंधान कर्ता एवं निर्देशक।
क) अनुसंधान कर्ता के गुण
ख) निर्देशक के गुण

2) सामग्री - प्रकार एवं स्त्रोत

3) अनुसंधान प्रस्तुति के प्रकार- प्रबंध, प्रपत्र प्रकाशन, पावर पॉईंट प्रेजेंटेशन, प्रबंधिका, मौखिकी।

संदर्भ ग्रंथ -

1) शोध प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा
2) नवीन शोध विज्ञान - डॉ. तिलकसिंह
3) अनुसंधान का विवेचन - डॉ. उदयभानु सिंह
4) साहित्य सिद्धांत और शोध - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
5) हिंदी अनुसंधान - डॉ. विजयपाल सिंह
6) अनुसंधान का स्वरूप - डॉ. सावित्री सिन्हा
7) अनुसंधान और आलोचना - डॉ. नगेंद्र
8) अनुसंधान प्रविधि - डॉ. गणेशन
9) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. विनयकुमार पाठक
10) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. शिवाजी देवरे, डॉ. मधु खराटे
11) अनुसंधान और अनुशीलन - डॉ. गोपालबाबू शर्मा
12) शोध कैसे करें - डॉ. पुनीत बिसारिया
13) अनुप्रयुक्त अनुसंधान प्रविधि - डॉ. सुरेश माहेश्वरी
14) शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि - बैजनाथ सिंहल
15) अनुसंधान की प्रक्रिया - डॉ. भगीरथ मिश्र
16) अवतरण शोधतंत्र के संदर्भ में - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
17) हिंदी शोधतंत्र की रूपरेखा - डॉ. मनमोहन सहगल
18) हिंदी शोध प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. राजेंद्र मिश्र

एम. ए. हिंदी भाग-1

प्रथम सत्र (1st Semester)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नपत्र-1-HIN - 0111 - सामान्य स्तर- कथा साहित्य

(उपन्यास - कहानी)

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1 : उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 2 : कहानियों पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 3 : उपन्यास पर तीन टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. 4 : कहानियों पर तीन टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. 5 : ससंदर्भ व्याख्या

अ) उपन्यास पर (दो में से एक)

आ) कहानियों पर (दो में से एक)

प्रश्नपत्र - 2 - HIN- 0112

विशेषस्तर- आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य

(विद्यापति एवं तुलसीदास)

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1 : विद्यापति पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 2 : तुलसीदास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 3 : विद्यापति पर तीन टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. 4 : तुलसीदास पर तीन टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. 5 : ससंदर्भ व्याख्या

अ) विद्यापति पर (दो में से एक)

आ) तुलसीदास पर (दो में से एक)

प्रश्नपत्र - 3 - HIN - 0113 -विशेष स्तर

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत एवं आलोचना

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

1) प्रथम तीन प्रश्न भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे।

2) चतुर्थ प्रश्न आलोचना पर अंतर्गत विकल्प साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जायेगा।

3) प्रश्न पाँचवाँ - यह एक वाक्यीय उत्तर वाले प्रश्नों का होगा। कुल आठ प्रश्न दिये जायेंगे, उनमें से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित तथा प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक दिये जायेंगे। प्रश्नों का स्वरूप बहुपर्यायी होगा।

प्रश्नपत्र - 4 - विशेष स्तर वैकल्पिक

HIN - 0114 (A) विशेष साहित्यकार- कबीर

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

* प्रथम तीन प्रश्न विशेष साहित्यकार कबीरदास पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूढे जाएंगे।

* चतुर्थ प्रश्न विशेष साहित्यकार कबीरदास पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

* प्रश्न पाँचवाँ ससंदर्भ व्याख्या का होगा। तीन में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या करना अपेक्षित।

प्रश्नपत्र-4-विशेष स्तर वैकल्पिक

HIN-0114 (B) विशेष विधा : आत्मकथा

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1 :- विशेष विधा आत्मकथा के सैद्धांतिक पक्षपर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.2 :- 'अन्या से अनन्या तक' पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.3 :- 'एक कहानी यह भी' पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 4 :- 'कस्तुरी कुंडल बसै' पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 5 :- तीनों आत्मकथाओं पर 3 टिप्पणियाँ दी जायेगी। उनमें से दो के उत्तर अपेक्षित।

प्रश्नपत्र-4-विशेष वैकल्पिक

HIN-0114 (C) - अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

* प्रश्न क्र. 1,2,3 एवं 4 दीर्घोत्तरी स्वरूप में अंतर्गत विकल्प के साथ होंगे।
* प्रश्न क्र. 5- टिप्पणियों का होगा। कुल तीन विषय टिप्पणियों के लिए दिए जाएंगे उनमें से दो के उत्तर लिखना अपेक्षित।

हिंदी पाठ्यक्रम

समकक्ष विषयों की सूची

प्रथम सत्र

पुराना पाठ्यक्रम		नया पाठ्यक्रम	
अ. क्र.	विषय	अ. क्र.	विषय
1	प्रश्नपत्र-1-HI-1110-सामान्य स्तर कथा साहित्य (प्रथम सत्र)	1	प्रश्नपत्र -1- HIN 0111 सामान्य स्तर - कथा साहित्य (प्रथम सत्र)
2	प्रश्न पत्र-2-HI-1120-विशेष स्तर आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य (प्रथम सत्र)	2	प्रश्नपत्र-2- HIN 0112 विशेष स्तर आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य (प्रथम सत्र)
3	प्रश्न पत्र-3- HI-1130-विशेष स्तर भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त एवं आलोचना (प्रथम सत्र)	3	प्रश्नपत्र-3-HIN 0113 विशेष स्तर - भारतीय काव्यशास्त्र के सिध्दान्त एवं आलोचना (प्रथम सत्र)
4	प्रश्न पत्र-4-HI-1140- विशेष स्तर वैकल्पिक HI-1140-(A) विशेष साहित्यकार -सूरदास (प्रथम सत्र)	4	प्रश्नपत्र- 4- HIN 0114 विशेष स्तर-वैकल्पिक HIN - 0114(A) विशेष साहित्यकार - कबीरदास (प्रथम सत्र)
5	HI-1140 (B)- विशेष विधा आत्मकथा (प्रथम सत्र)	5	HIN - 0114(B) विशेष विधा - आत्मकथा (प्रथम सत्र)
6	HI-1140 (C)- अन्य - अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया (प्रथम सत्र)	6	HIN - 0114(C) अन्य - अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया (प्रथम सत्र)

द्वितीय सत्र (2nd Semester)

प्रश्नपत्र - 5

HIN - 0121 - सामान्य स्तर- कथेतर गद्य साहित्य

(संस्मरण एवं निबंध)

उद्देश्य-

1) आधुनिक हिंदी कथेतर गद्य साहित्य से परिचित कराना।
2) आधुनिक कथेतर गद्य विधाओं में से प्रमुख विधाओं के विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करना।
3) विधा विशेष के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्त्व समझाकर मूल्यांकन की क्षमता प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम -

पाठ्यपुस्तकें -

1) दीप जले शंख बजे (संस्मरण)- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
भारतीय ज्ञानपीठ, 18, इन्स्टीटयूशनल एरिया, लोदी रोड,
नई दिल्ली - 110 003
अध्ययनार्थ संस्मरण - 1) मेरे पिताजी
2) मुहम्मद अली कोतवाल , 3) नन्दा गाटा
4) गोरा दीवान 5) पण्डित उमरावसिंह स्वर्गीय
6) मुरारी भाई 7) डॉ. टिंचर प्रसाद
8) मुस्तफा साहब 9) हमारा बहुरूपिया
10) और ये ?

2) गाँव का मन - (निबंध)- पं.विद्या निवास मिश्र
वाणी प्रकाशन, 4697/5,21ए, दरीयागंज नई दिल्ली
अध्ययनार्थ निबंध - मेरा गाँव-घर, आँगन का पंछी, भरि देहु गगरिया हमारी, मैं मधुवन जाऊँगा रे, कटहल, प्रात तव द्वारा पर, गँवई गाँव के गोसाई शिव बाबा, हल्दी दूब और दधि अच्छत, गाँव का मन

संदर्भ ग्रंथ -

1) छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी

2) हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

3) हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन - डॉ. मुरलीधर शहा

4) प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - डॉ. हरिमोहन

द्वितीय सत्र (2nd Semester)

प्रश्नपत्र - 6 - HIN -0122 विशेष स्तर- रीतिकालीन काव्य

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि -

1) बिहारी

2) भूषण

अध्ययन हेतु रचनाएँ , संदर्भ व्याख्या हेतु छंद तथा अध्ययनार्थ विषय निम्नप्रकार से है-

1) बिहारी प्रकाश- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-1

संसदर्भ व्याख्या के लिए सभी दोहे।

अध्ययनार्थ विषय- बिहारी द्वारा वर्णित-

1) संयोग श्रृंगार 2) वियोग श्रृंगार
3) प्रसंगोद्भावना 4) सौंदर्य चित्रण
5) अनुभाव योजना 6) बिहारी की बहुज्ञता
7) भक्ति-नीति 8) काव्य-सौंदर्य

2) संक्षिप्त भूषण - सं. डॉ. भगवानदास तिवारी,
साहित्य भवन, प्रा.लि.
जी. रोड, इलाहाबाद-211003

छंद - 17, 26, 28, 30, 41, 43, 68, 72, 91, 95

अध्ययनार्थ विषय-

1) युगचेतना और भूषण- युगजीवन का चित्र
2) भूषण काव्य में शिवचरित्र
3) रसविवेचन- वीर रस तथा अन्य रस
4) अलंकार निरुपण
5) भूषण की राष्ट्रीयता
6) भाषा शैली
7) भूषण की काव्य कला
8) राष्ट्रीय काव्यधारा में भूषण का स्थान

संदर्भ ग्रंथ -

1) बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चन सिंह

2) बिहारी सतसई - जगन्नाथ दास रत्नाकर

3) बिहारी मीमांसा - डॉ. रामसागर त्रिपाठी

4) बिहारी का काव्य लालित्य - डॉ. रमाशंकर तिवारी

5) रीतिबद्ध काव्यधारा - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा

6) बिहारी की वाग्विधता - विश्वनाथप्रसाद मिश्र

7) भूषण (ग्रंथावली) - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

8) भूषण और उनका साहित्य - राजमल बोरा

9) भूषण : साहित्यिक एवं ऐतिहासिक अनुशीलन - डॉ. भगवानदास तिवारी

10) भूषण विमर्श - श्री. भगीरथ दीक्षित

द्वितीय सत्र (2nd Semester)

प्रश्नपत्र-7 -विशेष स्तर - HIN - 0123

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत और वाद

उद्देश्य -

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय देना।

2) पाश्चात्य काव्यशास्त्रों के सिद्धांतों का विकासक्रम का परिचय तथा सिद्धांतों का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम -

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षेप में परिचय।
(इस पर परीक्षा में प्रश्न नहीं पूछा जाएगा)

2) अनुकरण सिद्धांत - अनुकरण की व्याख्या, स्वरूप, अनुकरण के संबंध में प्लेटो और अरस्तू के विचारों का तुलनात्मक परिचय

3) विरेचन सिद्धांत - प्लेटो- अरस्तु के विचारों का विवेचन, त्रासदी और विवेचन

4) उदात्त सिद्धांत - लोंजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या,स्वरूप,उदात्त के अंतरंग-बहिरंग तत्त्व, उदात्त के विरोधी तत्त्व, काव्य में उदात्त का महत्त्व।

5) क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद- अभिव्यंजना का स्वरूप और महत्त्व

6) रिचर्डस का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत- काव्यमूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, मनोवेगों के दो प्रकार, मनोवेगों में संतुलन, संप्रेषण का स्वरूप एवं महत्त्व, रिचर्डस का योगदान।

7) निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता का सिद्धांत-इलियट की निर्वैयक्तिकता की धारणा, परिवर्तित धारणा, व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप।

8) निम्नलिखित वादों का परिचयात्मक अध्ययन- कलावाद, यथार्थवाद, प्रतीकवाद, बिम्बवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद।

संदर्भ ग्रंथ -

1)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	-	डॉ. देशराजसिंह भाटी
2)	समीक्षाशास्त्र के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदंड	-	डॉ. रामसागर त्रिपाठी/ डॉ. शाम मिश्र
3)	भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन	-	डॉ.सत्यदेव चौधरी शांतिस्वरूप गुप्त
4)	समीक्षालोक	-	डॉ. भगीरथ मिश्र
5)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत	-	कृष्णदेव शर्मा
6)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	-	रामपूजन तिवारी
7)	अरस्तू का काव्यशास्त्र	-	डॉ. नगेंद्र
8)	उदात्त के विषय में	-	डॉ. निर्मला जैन
9)	रिचर्डस के आलोचना सिद्धांत	-	डॉ. शंभुदत्त झा
10)	टी. एस.इलियट के आलोचना सिद्धांत	-	डॉ. शिवमूर्ति पांडेय
11)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	-	देवेंद्रनाथ शर्मा
12)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मानदंड	-	डॉ. भाऊसाहेब परदेशी
13)	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा	-	डॉ. तेजपाल चौधरी
14)	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	-	डॉ. विजयकुमार वेदालंकार

प्रश्नपत्र-8- HIN- 0124 -विशेष स्तर- वैकल्पिक

(A) आदिवासी विमर्श

उद्देश्य -

1) आदिवासी रचनाकारों का परिचय कराना।

2) आदिवासी संस्कृति-समाज और जीवन को समझाना।

3) आदिवासी साहित्य का मूल्यांकन तथा उनके साहित्यिक योगदान का ज्ञान कराना।

4) आदिवासी हिंदी साहित्य के विकासक्रम को समझाना।

पाठ्यक्रम -

अध्ययनार्थ विषय -

1) आदिवासी - अर्थ - परिभाषा - व्याप्ति
2) आदिवासी साहित्य के मानदंड
3) आदिवासी साहित्य : चिंतन दिशाएँ
4) आदिवासी साहित्य का स्वरूप एवं विशेषताएँ
5) आदिवासी साहित्य के प्रेरणास्त्रोत
6) आदिवासी साहित्य का उद्‌भव एवं विकास
7) हिंदी आदिवासी साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

पाठ्यपुस्तकें -

1) ग्लोबल गाँव के देवता (उपन्यास) - रणेंद्र

प्रकाशक - भारतीय ज्ञानपीठ 18, इन्स्टयुशनल एरिया, नेदी रोड, नई दिल्ली - 110 003

2) हिम्मतवाली इपिल, (डीडगर इपिल - मुंडारी नाटक) - जोवाकिम तोपनो

प्रकाशक - प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन, चेशायर होम रोड, बरियातु,
राँची-834009

3) जंगल पहाड़ के पाठ (काव्य संग्रह) - महादेव टोप्पो

प्रकाशक - अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली - 110032

इस संकलन से जंग लगे तीरों पर नयी धार लाने का गीत, कब तक ?, आदिवासी गाँव से इंटर पास छात्र का सपना, रचने होंगे ग्रन्थ, त्रासदी एक आशा, प्रजातन्त्र में, प्रश्नों के तहखाने में, पहाड़ की नजरों से, इतने छले गये हैं हम, संकट में एकजुट, घोडा बने रहने की आदत तुम्हारी , क्यों नहीं आता गुस्सा ?, पहाड़ के पाठ।

संदर्भ ग्रंथ -

1) आदिवासी साहित्य परंपरा व प्रयोजन - वंदना टेटे

2) आदिवासी दर्शन व साहित्य वाचिकता - वदंना टेटे

3) भारतीय लोकगीत सांस्कृतिक अस्मिता-खंड-1 - डॉ. सुरेश गौतम

4) हिंदी में आदिवासी जीवन केंद्रित उपन्यासों का समीक्षात्मक अध्ययन - डॉ. बी. के. कलासवा

5) आदिवासी शौर्य और विद्रोह - रमणिका गुप्ता

6) आदिवासी : विकास के विस्थापन - रमणिका गुप्ता

7) आदिवासी साहित्य यात्रा - रमणिका गुप्ता

8) आदिवासी कौन? - रमणिका गुप्ता

9) समकालीन हिंदी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श- डॉ. शिवाजी देवरे, डॉ.मधु खराटे

10) आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी - सं. रमणिका गुप्ता

11) विमर्श के विविध आयाम - डॉ. अर्जुन चव्हाण

12) आदिवासी लोक साहित्य - डॉ. गौतम कुँवर

13) आदिवासी केंद्रित हिंदी साहित्य - सं. डॉ. उषा कीर्ति राणावत

14) वर्तमान समय में आदिवासी समाज - सं. गीता वर्मा

15) भारतीय आदिवासी (मराठी) - गुरुनाथ नाडगोंडे

16) भील जनजाति का सांस्कृतिक एवं आर्थिक जीवन- जगदीशचन्द्र वीणा

17) आदिवासी केंद्रित हिंदी उपन्यास - डॉ. प्रमोद चौधरी

द्वितीय सत्र (2nd Semester)

HIN- 0124 (B) दलित विमर्श

उद्देश्य :-

1) हिंदी साहित्य में दलित चेतना के अविर्भाव के कारणों और परिस्थितियों से अवगत होना।
2) हिंदी दलित रचनाकारों का परिचय प्राप्त करना।
3) दलित साहित्य की विभिन्न विधाओं को समझना।
4) दलित समाज-संस्कृति और भाषा को समझना।
5) दलित साहित्य की कसौटियों को समझना।
6) हिंदी दलित साहित्य के विकासक्रम को जानना ।

पाठ्यक्रम -

अध्ययनार्थ विषय -

1) दलित शब्द का अर्थ - परिभाषा और स्वरूप
2) भारतीय समाज व्यवस्था में दलितों का स्थान
3) व्यवस्था परिवर्तन का दलित आंदोलन
4) दलित साहित्य के प्रेरणास्त्रोत
5) दलित साहित्य : चिंतन की दिशाएँ
6) दलित साहित्य के मानदंड एवं विशेषताएँ
7) हिंदी दलित साहित्य का उद्‌भव एवं विकास
8) हिंदी दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र

पाठ्यग्रंथ-

1) छप्पर (उपन्यास) - जयप्रकाश कर्दम

   प्रकाशक - गौतम बुक सेंटर, नई दिल्ली - 110002

2) शिकंजे का दर्द (आत्मकथा) - सुशीला टाकभौरे

   प्रकाशक - वाणी प्रकाशन,4695,21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली - 110002

3) सदियों का संताप (काव्य संग्रह) - ओम प्रकाश वाल्मीकि

   (द्वितीय संस्करण) गौतम बुक हाऊस, नई दिल्ली

इस संकलन से ठाकुर का कुंआ, ज्वालामुखी, युग चेतना, झाडू वाली, संधि-रेखा, शब्द का जन्म, पत्थर, सदियों का संताप, धुरी पर घूमती पृथ्वी, तब तुम क्या करोगे ? आदि कविताएँ अध्ययनार्थ रखी गई है ।

संदर्भ ग्रंथ -

1) दलित और नारि चेतना का दस्तावेज शिकंजे का दर्द - डॉ. विष्णु सरवदे
2) हिंदी साहित्य में दलित चेतना - डॉ. आनंद वासकर
3) साहित्य और दलित चेतना - सं.महीपसिंह / डॉ.चंद्रकांत बांदिवड़ेकर
4) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - डॉ. शरणकुमार लिंबाले
5) दलित चेतना : साहित्यिक एवं सामाजिक सरोकार- रमणिका गुप्ता
6) हिंदी उपन्यास में दलित वर्ग - डॉ. कुसुम मेघवाल
7) भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य - डॉ. पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी
8) दलित चेतना के अनुप्रणित हिंदी उपन्यास - डॉ. नटवरभाई परमार
9) दलित संघर्ष और सामाजिक न्याय - डॉ. पुरणमल
10) चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य - डॉ. श्यौराजसिंह बेचैन
11) दलित चेतना के संदर्भ में कथाकार ओमप्रकाश - डॉ. जोगिंद कुमार
12) हिंदी दलित साहित्य और चिन्तन - डॉ. ललिता कौशल
13) ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियों में सामाजिक लोकतांत्रिक चेतना - सं.डॉ. हरपालसिंह 'अरुब'
14) दसवें दशक के हिंदी उपन्यासों में दलित चेतना - वसाणी कृष्णवंती पी.
15) हिंदी उपन्यासों में दलित चेतना - डॉ. रामचंद्र माली
16) दलित साहित्य का मूल्यांकन - प्रो. चमनलाल
17) दलित साहित्य और समसामायिक संदर्भ - डॉ. श्रवणकुमार वीणा
18) दलित साहित्य: वेदना और विद्रोह - शरणकुमार लिंबाले अनु. सूर्यनारायण रणसुभे
19) अम्बेडकरवारी सौंदर्यशास्त्र और दलित आदिवासी-जनजातीय विमर्श - डॉ. विनयकुमार पाठक
20) दलित चेतना साहित्य - रमणिका गुप्ता
21) अम्बेडकरवादी सौंदर्यशास्त्रीय यथार्थवाद और प्रा. दामोदर मोरे की रचनाधर्मिता - डॉ. विनयकुमार पाठक, देवबहादुर सिंह
22) हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि - डॉ. विनयकुमार पाठक
23) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों में शोषण के विभिन्न रूप - डॉ.सुरेश तायडे

द्वितीय सत्र (2nd Semester)

HIN- 0124 - विशेष स्तर- वैकल्पिक

(C) स्त्री विमर्श

उद्देश्य-

1) नारी रचनाकारों का परिचय कराना।
2) स्त्री विमर्श साहित्य का परिचय करना।
3) नारीवादी आंदोलन को समझना।
4) स्त्री-विमर्श विषयक साहित्य का मूल्यांकन तथा उसके साहित्यिक योगदान का ज्ञान कराना।
5) स्त्री-विमर्श विषयक हिंदी साहित्य के विकासक्रम को समझना।

पाठ्यक्रम

पाठ्यग्रंथ-

1)	एक जमीन अपनी (उपन्यास)	-	चित्रा मुद्गल प्रभात प्रकाशन, तथा राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
2)	सात भाईयों के बीच चम्पा (काव्य)	-	कात्यायनी आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा, स.1999

(इस संकलन से सात भाईयों के बीच चम्पा, इस स्त्री से डरो, वह रचती है जीवन और....., दाहक जीवनद्रोह, देह न होना, इस पौरुष समय में, गार्गी, ऐसा किया जाय, हॉकी खेलती लड़कियाँ, नहीं हो सकता तेरा भला आदि कविताएँ अध्ययनार्थ है)

3)	गमे-हयात ने मारा (कहानी)	-	राजी सेठ भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

(इस संकलन से मुलाकात, सहकर्मी, बाहरी लोग, दलदल, विदेश में एक पिता, मेरे लिए नहीं, एक कटा हुआ कमरा, परमा की शादी, ठहरों इन्तजार हुसैन तथा खाली लिफाफा आदि कहानियाँ निर्धारित की गयी है।)

अध्ययनार्थ विषय :-

1) स्त्री विमर्श : अर्थ, परिभाषा और परिव्याप्ति।
2) स्त्री विमर्श : मूल प्रवृत्तियाँ।
3) नारी मुक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि।
4) स्त्री विमर्श पाश्चात्य दृष्टिकोण।
5) स्त्री विमर्श भारतीय दृष्टिकोण।
6) हिंदी साहित्य में नारी लेखन का विकास।
7) हिंदी साहित्य में नारी लेखन की भाषागत विशेषताएँ।
8) स्त्री विमर्श हिंदी साहित्य की भाषा।

संदर्भ ग्रंथ -

1) स्त्री विमर्श विविध पहलू - सं. कल्पना वर्मा
2) अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य - सं. राजेंद्र यादव, अर्चना वर्मा
3) स्त्री मुक्ति संघर्ष और इतिहास - रमणिका गुप्ता
4) हिंदी और उर्दू कविता में नारीवाद - नगमा जावेद मलिक
5) हिंदी के अधुनातन नारी उपन्यास - इंदूप्रकाश पांडेय
6) अंतिम दशक के महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में स्त्री विमर्श - डॉ. कृष्णा पोतदार
7) अंतिम दशक की लेखिकाओं के उपन्यासों में नारी - डॉ. रामचंद्र माली
8) समकालीन लेखिकाओं के उपन्यासों में स्त्री विमर्श - डॉ. महेंद्र रघुवंशी
9) स्त्रीवादी साहित्य विमर्श - जगदीश्वर चतुर्वेदी
10) स्त्री लेखन और समय के सरोकार - हेमलता माहेश्वरी
11) स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ - रेखा करतवार
12) स्त्री देह विमर्श - सुधीर पचौरी
13) समकालीन हिंदी काव्य : दशा और दिशा - जयप्रकाश शर्मा
14) स्त्री अस्मिता : साहित्य और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी/सुधा सिंह
15) स्त्री विमर्श - डॉ. विनयकुमार पाठक
16) समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. पुष्पपाल सिंह
16) समकालीन हिंदी कहानी - बलराम
17) समकालीन महिला लेखन - ओमप्रकाश शर्मा
18) उत्तरशती के हिंदी उपन्यासों में नारी विमर्श - डॉ. जयश्री गावित
19) आधुनिक एवं हिंदी कथासाहित्य में नारी का बदलता स्वरुप - डॉ. मुदिना चन्द्रा, सुलक्षणा टोप्पो
20) भारतीय नारी दशा और दिशा - आशारानी व्होरा
21) राजी सेठ का कथा साहित्य चिंतन एवं शिल्प - डॉ. सरोज शुक्ला
22) राजी सेठ का रचना संसार - डॉ. स्नेहजा सोनाले

एम. ए. हिन्दी भाग-1

द्वितीय सत्र (IInd Semester)

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नपत्र - 5

HIN- 0121 - सामान्य स्तर-कथेतर गद्य साहित्य

(संस्मरण एवं निबंध)

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1 : संस्मरण पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 2 : निबंधों पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 3 : संस्मरण पर तीन टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. 4 : निबंधों पर तीन टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. 5 : ससंदर्भ व्याख्या

अ) संस्मरण पर (दो में से एक)

आ) निबंधों पर (दो में से एक)

प्रश्नपत्र-6

HIN- 0122 - विशेष स्तर- रीतिकालीन काव्य

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1 : बिहारी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 2 : भूषण पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 3 : बिहारी पर तीन टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. 4 : भूषण पर तीन टिप्पणियाँ (तीन में से दो)

प्रश्न क्र. 5 : ससंदर्भ व्याख्या

अ) बिहारी पर (दो में से एक)

आ) भूषण पर (दो में से एक)

प्रश्नपत्र-7

HIN - 0123 - विशेष स्तर- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत और वाद

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

* प्रथम चार प्रश्न 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत और वाद' पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी पूछे जाएंगे।

* प्रश्न पाँचवाँ यह एक वाक्यीय उत्तर वाले प्रश्नों का होगा।

(कुल आठ प्रश्न दिये जायेंगे, उनमें से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित तथा प्रत्येक प्रश्न को 2 अंक दिये जायेंगे। प्रश्नों का स्वरूप बहुपर्यायी होगा।)

प्रश्नपत्र-8

विशेष स्तर - वैकल्पिक

HIN - 0124 (A) आदिवासी विमर्श

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1- आदिवासी विमर्श के सैद्धांतिक प्रश्न पर अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.2- उपन्यास पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.3- नाटक पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.4- काव्य पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.5- टिप्पणियाँ -

(उपन्यास, नाटक एवं काव्य पर एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी। उनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखनी होगी।

प्रश्नपत्र - 8

विशेष स्तर - वैकल्पिक

HIN - 0124 (B) दलित विमर्श

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1- दलित विमर्श के सैद्धांतिक पक्ष पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.2- उपन्यास पर पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.3- आत्मकथा पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.4- काव्य पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 5- टिप्पणियाँ

(तीनों पाठ्यपुस्तकों पर एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी। जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखनी होगी।)

प्रश्नपत्र-8

विशेष स्तर - वैकल्पिक

HIN - 0124 (C) स्त्री-विमर्श

सूचना :- प्रश्नपत्र 60 अंकों का होगा। प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

प्रश्न क्र. 1- स्त्री-विमर्श के सैद्धांतिक पक्ष पर अंतर्गत विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.2- उपन्यास पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र.3- काव्य पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 4- कहानी पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछा जाएगा।

प्रश्न क्र. 5- टिप्पणियाँ

(तीनों पाठ्यपुस्तकों पर एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी। जिनमें से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखनी होगी।)

हिंदी पाठ्यक्रम

समकक्ष विषयों की सूची

द्वितीय सत्र

पुराना पाठ्यक्रम		नया पाठ्यक्रम	
अ. क्र.	विषय	अ. क्र.	विषय
1.	प्रश्नपत्र-5-HI-1210-सामान्य स्तर कथेतर गद्य साहित्य (द्वितीय सत्र)	1	प्रश्नपत्र -5- HIN - 0121 सामान्य स्तर-कथेतर गद्य साहित्य (द्वितीय सत्र)
2.	प्रश्न पत्र-6-HI-1220-विशेष स्तर रीतिकालीन काव्य (द्वितीय सत्र)	2	प्रश्नपत्र-6- HIN - 0122 विशेष स्तर-रीतिकालीन काव्य (द्वितीय सत्र)
3	प्रश्न पत्र-7- HI-1230- विशेष स्तर- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त तथा वाद (द्वितीय सत्र)	3	प्रश्नपत्र-7- HIN -0123 विशेष स्तर- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दान्त तथा वाद (द्वितीय सत्र)
4	प्रश्न पत्र-8-HI-1240- विशेष स्तर- वैकल्पिक HI-1240-(A) आदिवासी विमर्श (द्वितीय सत्र)	4	प्रश्नपत्र-8 - HIN - 0124 विशेष स्तर- वैकल्पिक HIN - 0124 - (A) आदिवासी विमर्श (द्वितीय सत्र)
5	HI-1240 (B)- दलित विमर्श (द्वितीय सत्र)	5	HIN - 0124 (B) दलित विमर्श (द्वितीय सत्र)
6	HI-1240 (C)- नारी विमर्श (द्वितीय सत्र)	6	HIN - 0124 - (C) स्त्री विमर्श (द्वितीय सत्र)

डॉ. महेंद्र रघुवंशी
समन्वयक
उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव
एम.ए. हिंदी प्रथम तथा द्वितीय वर्ष
पाठयक्रम संयोजन समिति
ग.तु.पाटील महाविद्यालय, नंदुरबार